



गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
(भारत की संसद के अधिनियम सं. 25, 2009 के तहत स्थापित)

CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

(Established by an Act of Parliament of India, No 25 of 2009)

स्वाति सिंह

जनसंपर्क अधिकारी (प्रभारी)

By Speed Post/By Email/By Hand

F.No.PRO/07

5th June 2023

Press Release

Dear Sir/Madam,

Greetings from Central University of Gujarat.

A press release is followed by herewith.

Thanks,

With regards,

Swati Singh

PRO (I/C),

Central University of Gujarat

Gandhinagar, Sector-29, Gujarat.

Press release

Life in harmony with nature

Gandhinagar. To mark the occasion of World Environment Day, School of Environment and Sustainable Development, Central University of Gujarat organized several programs at the university on June 05, 2023, on, In the series of programmes, tree plantation was done in Sector-29 campus of the university and the employees here were also informed about the saplings being planted. After this indoor plants were distributed in the office.

Also, a group discussion was organized in the VLRC of the University in which students and non-academic staff participated. Important topics such as maximum use of cloth bags, importance of wooden toys, preventing plastic pollution, use of earthen pots, reducing food wastage, contribution of yoga and meditation in plant growth, etc., were discussed in this programme.

On this occasion, an online program World Environment Day Celebration was also organized by the Ministry of Education, Government of India in which all the major educational institutions of the country participated. This program was presided over by Hon'ble Minister of State for Education Shri Rajkumar Ranjan Singh. First, 1 minute silence was kept in the program for the dead and injured of Odisha train accident. After that everyone took an oath to protect the environment. UGC Chairman Prof. M. Jagdish Kumar gave information about the "Guidelines and Curriculum Framework for Environment Education at Undergraduate Level" to be launched. He told that through this course students will be made more aware and sensitive towards the environment. The outline of this course will be sent to all educational institutions so that they can



गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
(भारत की संसद के अधिनियम सं. 25, 2009 के तहत स्थापित)
CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT
(Established by an Act of Parliament of India, No 25 of 2009)

स्वाति सिंह

जनसंपर्क अधिकारी (प्रभारी)

By Speed Post/By Email/By Hand

teach it to the undergraduate students. The framework was inaugurated by the Hon'ble Minister of State for Education. Also, AICTE Chairman Prof. T.G. Sitaram provided information about "One Student, One Tree Campaign". Through this campaign, tree plantation is being done in the campus of AICTE across the country. Their target is to plant one crore trees by August 15, 2023.

Hon'ble Minister of State for Education said that his association with environment and education is very old. He emphasised on the mantra presented by the Hon'ble Prime minister of India at United Nations Framework Convention on Climate Change COP-26 and Global Leadership Summit, Glasgow which was lifestyle for environment. He also stressed upon setting a target for net zero carbon emission by 2030. He said that involvement of youth in spreading the message of life along with sensitising school going children and other about life is important. He said that we should adopt such a lifestyle which can protect our environment from the effects of climate change. To protect and preserve the environment there should be no destructive consumption of environmental resources. India is determined to contribute and promote a healthy and sustainable lifestyle based on ancient Indian traditions and values of conservation and moderation.

On 20th October 2022 Hon'ble Prime minister of India launched mission LiFE: lifestyle for environment. A global movement to safeguard our environment from the impact of climate change. He urged all educational institution to take initiatives like awareness workshop on sustainable practices on mission life and promoting life action, making college and university campuses plastic free, avoid use of paper by making the institution digital, avoid food wastage in hostel and cafeteria, making manure for compost of dry leaves and waste food and organic waste organising bicycle rally, etc. The guidelines include area such as climate change, pollution, waste management, sanitation, conservation of biological diversity which are a major component of our environment.

The program of the Ministry of Education ended with a vote of thanks. At the university the program ended with vote of thanks by Prof. R.Y. Hiranmai, Dean, School of Environment and Sustainable Development in the university and distribution of refreshments. The entire program was broadcast live on the official Facebook page of the University by the Information and Communication Cell of the University.



गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
(भारत की संसद के अधिनियम सं. 25, 2009 के तहत स्थापित)
CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT
(Established by an Act of Parliament of India, No 25 of 2009)

स्वाति सिंह

जनसंपर्क अधिकारी (प्रभारी)

By Speed Post/By Email/By Hand

प्रकृति से सीखें जीवन जीना

- गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय में विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर कई कार्यक्रमों का हुआ आयोजन

गांधीनगर। प्रकृति के बिना हमारा जीवन संभव नहीं है, इसी को ध्यान में रखते हुए सोमवार को गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय में पर्यावरण दिवस के मौके पर पर्यावरण एवं संधारणीय विकास संस्थान की ओर से कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रमों की शृंखला में सर्वप्रथम विश्वविद्यालय के सेक्टर-29 परिसर में पौधारोपण किया गया। पौधारोपण के साथ ही कर्मचारियों को पौधों के रखरखाव संबंधी जानकारी भी दी है। इसके बाद कार्यालय में इंडोर प्लांट्स का वितरण किया गया।

इसके साथ ही विश्वविद्यालय के वीएलआरसी में सामूहिक चर्चा का आयोजन किया गया जिसमें छात्रों और गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों ने भाग लिया। कपड़े के थैलों का सर्वाधिक इस्तेमाल, लकड़ी के खिलौने का महत्व, प्लास्टिक प्रदूषण को रोकना, मिट्टी के घड़ों का इस्तेमाल, खाने की बर्बादी को कम करना, पौधों के विकास में योग और साधन का योगदान आदि जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई।

इस अवसर पर शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से एक ऑनलाइन कार्यक्रम “विश्व पर्यावरण दिवस उत्सव” का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में देश के सभी प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता राज्य शिक्षा मंत्री श्री राजकुमार रंजन सिंह ने की। कार्यक्रम की शुरुआत में ओडिशा ट्रेन हादसे के मृतकों और घायलों के लिए मौन रखा गया। परिसर में सभी लोगों ने पर्यावरण सुरक्षा की शपथ ली।

कार्यक्रम में यूजीसी अध्यक्ष प्रो. एम. जगदीश कुमार ने लॉन्च होने वाले “गाइडलाइंस एण्ड करीक्युलम फ्रेमवर्क फॉर एनवायरनमेंट एजुकेशन ऐट अन्डरग्रेजुएट लेवल” के विषय में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस पाठ्यक्रम के द्वारा छात्रों को पर्यावरण के प्रति और अधिक जागरूक और संवेदनशील बनाया जाएगा। इस पाठ्यक्रम की रूपरेखा सभी शैक्षणिक संस्थानों में भेजी जाएगी ताकि वे इसकी शिक्षा स्नातक के छात्रों को दें। माननीय शिक्षा राज्य मंत्री के कर कमलों द्वारा इस रूपरेखा का उद्घाटन किया गया। साथ ही, एआईसीटीई अध्यक्ष प्रो. टी. जी. सीताराम द्वारा “वन स्टूडेंट, वन ट्री अभियान” की जानकारी दी गई। इस अभियान के द्वारा देशभर के एआईसीटीई के परिसर में पौधारोपण किया जा रहा है। इनका लक्ष्य है कि 15 अगस्त, 2023 तक एक करोड़ पौधारोपण करें।

माननीय राज्य शिक्षा मंत्री ने बताया कि पर्यावरण और शिक्षा के क्षेत्र से उनका जुड़ाव काफी पुराना है। उन्होंने माननीय प्रधानमंत्री के संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन फ्रेमवर्क सम्मलेन COP-26 और ग्लोबल लीडरशिप समिट, ग्लासगो के मंत्र पर्यावरण के लिए जीवन शैली तथा 2030 तक कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य शून्य निर्धारित करने पर भी जोर दिया।



गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय

(भारत की संसद के अधिनियम सं. 25, 2009 के तहत स्थापित)

CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

(Established by an Act of Parliament of India, No 25 of 2009)

स्वाति सिंह

जनसंपर्क अधिकारी (प्रभारी)

By Speed Post/By Email/By Hand

उन्होंने कहा कि हमें ऐसी जीवन शैली अपनानी चाहिए जिससे जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से हमारे पर्यावरण की रक्षा हो सके। पर्यावरण की रक्षा और संरक्षण के लिए इसके संसाधनों की विनाशकारी खपत नहीं होनी चाहिए। भारत प्राचीन भारतीय परंपराओं, संरक्षण और संयम के मूल्यों के आधार पर स्वस्थ और टिकाऊ जीवन शैली में योगदान और प्रचार करने के लिए दृढ़ संकल्पित है। इसके साथ ही उन्होंने 20 अक्टूबर 2022 को भारत के माननीय प्रधानमंत्री ने मिशन जीवन: पर्यावरण के लिए जीवन शैली का शुभारंभ किया। जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से हमारे पर्यावरण की रक्षा के लिए एक वैश्विक आंदोलन। भारत प्राचीन भारतीय परंपराओं और संरक्षण और संयम के मूल्यों के आधार पर स्वस्थ और टिकाऊ जीवन शैली में योगदान और प्रचार करने के लिए दृढ़ संकल्पित है। मैं सभी शैक्षणिक संस्थानों से आग्रह करता हूँ कि वे मिशन जीवन पर सतत प्रथाओं पर जागरूकता कार्यशाला और जीवन क्रिया को बढ़ावा देने, कॉलेज और विश्वविद्यालय परिसरों को प्लास्टिक मुक्त बनाने, संस्थान को डिजिटल बनाकर कागज के उपयोग से बचने, छात्रावास और कैफेटेरिया में भोजन की बर्बादी से बचने के लिए खाद बनाने जैसी पहल करें। सूखी पत्तियों और अपशिष्ट भोजन और जैविक कचरे की खाद, साइकिल रैली का भी आयोजन करें। मंत्री जी ने कहा कि आज लॉन्च हुए दिशानिर्देशों में जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण, अपशिष्ट प्रबंधन, स्वच्छता, जैविक विविधता के संरक्षण जैसे क्षेत्र महत्वपूर्ण शामिल हैं।

धन्यवाद ज्ञापन के साथ शिक्षा मंत्रालय का कार्यक्रम समाप्त हुआ। विश्वविद्यालय में भी पर्यावरण एवं संधारणीय विकास संस्थान की डीन प्रो. हिरण्मयी के धन्यवाद ज्ञापन और अल्पाहार वितरण के साथ कार्यक्रम की समाप्ति की घोषणा की गई। विश्वविद्यालय के सूचना एवं सम्प्रेषण प्रकोष्ठ द्वारा सम्पूर्ण कार्यक्रम का विश्वविद्यालय के अधिकारिक फेसबुक पृष्ठ पर सजीव प्रसारण किया गया।



ગુજરાત કેન્દ્રીય વિશ્વવિદ્યાલય
(ભારત કી સંસદ કે અધિનિયમ સં. 25, 2009 કે તહત સ્થાપિત)

CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

(Established by an Act of Parliament of India, No 25 of 2009)

સ્વાતિ સિંહ

જનસંપર્ક અધિકારી (પ્રભારી)

By Speed Post/By Email/By Hand

પ્રકૃતિ પાસેથી જીવન જીવતા શીખો

સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી ઓફ ગુજરાત ખાતે વિશ્વ પર્યાવરણ દિવસ નિમિત્તે કાર્યક્રમોનું આયોજન કરવામાં આવ્યું.

ગાંધીનગર.

પ્રકૃતિ વિના આપણું જીવન શક્ય નથી, આ વાતને ધ્યાનમાં રાખીને ઈન્સ્ટીટ્યુટ ઓફ એન્વાયરમેન્ટ એન્ડ સસ્ટેનેબલ ડેવલપમેન્ટ દ્વારા સોમવારે સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી ઓફ ગુજરાત ખાતે પર્યાવરણ દિવસ નિમિત્તે કાર્યક્રમોનું આયોજન કરવામાં આવ્યું હતું. કાર્યક્રમોની શ્રેણીમાં સૌપ્રથમ યુનિવર્સિટીના સેક્ટર-29 કેમ્પસમાં વૃક્ષારોપણ કરવામાં આવ્યું હતું. વૃક્ષારોપણની સાથે કર્મચારીઓને છોડની જાળવણી અંગે પણ માહિતી આપવામાં આવી . આ પછી ઓફિસમાં ઇન્ડોર છોડનું વિતરણ કરવામાં આવ્યું હતું.

સાથોસાથ યુનિવર્સિટીના VLRCમાં સમૂહ ચર્ચાનું આયોજન કરવામાં આવ્યું હતું જેમાં વિદ્યાર્થીઓ અને બિન શૈક્ષણિક સ્ટાફે ભાગ લીધો હતો. કાપડની થેલીઓનો મહત્તમ ઉપયોગ, લાકડાના રમકડાંનું મહત્વ, પ્લાસ્ટિક પ્રદૂષણ અટકાવવા, માટીના વાસણોનો ઉપયોગ, ખોરાકનો બગાડ ઘટાડવો, છોડની વૃદ્ધિમાં યોગ અને ધ્યાનનું યોગદાન વગેરે જેવા મહત્વના વિષયો પર ચર્ચા કરવામાં આવી હતી.

આ પ્રસંગે, ભારત સરકારના શિક્ષણ મંત્રાલય દ્વારા એક ઓનલાઈન કાર્યક્રમ "વિશ્વ પર્યાવરણ દિવસ ઉજવણી"નું પણ આયોજન કરવામાં આવ્યું હતું. આ કાર્યક્રમમાં દેશની તમામ મોટી શૈક્ષણિક સંસ્થાઓએ ભાગ લીધો હતો. આ કાર્યક્રમની અધ્યક્ષતા રાજ્યના શિક્ષણ મંત્રી શ્રી રાજકુમાર રંજન સિંહે કરી હતી. કાર્યક્રમની શરૂઆતમાં ઓડિશા ટ્રેન દુર્ઘટનામાં મૃતકો અને ઘાયલો માટે મૌન પાળવામાં આવ્યું હતું. કેમ્પસમાં દરેક વ્યક્તિએ પર્યાવરણ સંરક્ષણના શપથ લીધા હતા.

કાર્યક્રમમાં યુજીસીના ચેરમેન પ્રો. એમ. જગદીશ કુમારે "અંડરગ્રેજ્યુએટ કક્ષાએ પર્યાવરણ શિક્ષણ માટે માર્ગદર્શિકા અને અભ્યાસક્રમ ફેમવર્ક" લોન્ચ થનારી માહિતી આપી હતી. તેમણે કહ્યું કે આ



ગુજરાત કેન્દ્રીય વિશ્વવિદ્યાલય
(ભારત કી સંસદ કે અધિનિયમ સં. 25, 2009 કે તહત સ્થાપિત)
CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT
(Established by an Act of Parliament of India, No 25 of 2009)

સ્વાતિ સિંહ

જનસંપર્ક અધિકારી (પ્રભારી)

By Speed Post/By Email/By Hand

કોર્સ દ્વારા વિદ્યાર્થીઓને પર્યાવરણ પ્રત્યે વધુ જાગૃત અને સંવેદનશીલ બનાવવામાં આવશે. આ કોર્સની રૂપરેખા તમામ શૈક્ષણિક સંસ્થાઓને મોકલવામાં આવશે જેથી કરીને તેઓ તેને અંડરગ્રેજ્યુએટ વિદ્યાર્થીઓને શીખવી શકે. આ ફેમવર્કનું ઉદ્ઘાટન માનનીય શિક્ષણ રાજ્ય મંત્રી દ્વારા કરવામાં આવ્યું હતું. તેમજ AICTEના ચેરમેન પ્રો. ટી.જી. સીતારામ દ્વારા “એક વિદ્યાર્થી, એક વૃક્ષ અભિયાન” વિશે માહિતી આપવામાં આવી હતી. આ અભિયાન દ્વારા દેશભરમાં AICTEના કેમ્પસમાં રોપાઓ વાવવામાં આવી રહ્યા છે. તેમનું લક્ષ્ય 15 ઓગસ્ટ, 2023 સુધીમાં એક કરોડ વૃક્ષો વાવવાનું છે.

માનનીય રાજ્યના શિક્ષણ મંત્રીએ કહ્યું કે પર્યાવરણ અને શિક્ષણ સાથે તેમનો નાતો ઘણો જૂનો છે. તેમણે યુનાઈટેડ નેશન્સ ફેમવર્ક કન્વેન્શન ક્લાઈમેટ ચેન્જ COP-26 અને ગ્લોબલ લીડર્સ સમિટ, ગ્વાસગો, પર્યાવરણ માટે જીવનશૈલી અને 2030 સુધીમાં શૂન્ય કાર્બન ઉત્સર્જનનું લક્ષ્ય નિર્ધારિત કરવાના માનનીય વડાપ્રધાનના મંત્ર પર પણ ભાર મૂક્યો હતો.

તેમણે કહ્યું કે આપણે એવી જીવનશૈલી અપનાવવી જોઈએ જે આપણા પર્યાવરણને આબોહવા પરિવર્તનની અસરોથી બચાવી શકે. પર્યાવરણનું રક્ષણ અને જાળવણી તેના સંસાધનોના વિનાશક વપરાશ તરફ દોરી ન જવી જોઈએ. ભારતની પ્રાચીન ભારતીય પરંપરાઓ, સંરક્ષણના મૂલ્યો અને સંયમના આધારે સ્વસ્થ અને ટકાઉ જીવનશૈલીમાં યોગદાન આપવા અને પ્રોત્સાહન આપવા માટે પ્રતિબદ્ધ છે. આ સાથે, 20 ઓક્ટોબર 2022 ના રોજ, ભારતના માનનીય વડાપ્રધાને મિશન જીવન: પર્યાવરણ માટે જીવનશૈલી શરૂ કરી. આબોહવા પરિવર્તનની અસરોથી આપણા પર્યાવરણને બચાવવા માટેની વૈશ્વિક ચળવળ. ભારત પ્રાચીન ભારતીય પરંપરાઓ અને સંરક્ષણ અને સંયમના મૂલ્યો પર આધારિત સ્વસ્થ અને ટકાઉ જીવનશૈલીમાં યોગદાન આપવા અને પ્રોત્સાહન આપવા માટે પ્રતિબદ્ધ છે. હું તમામ શૈક્ષણિક સંસ્થાઓને મિશન લાઇફ પર ટકાઉ પ્રેક્ટિસ અંગે જાગૃતિ વર્કશોપ યોજવા અને લાઇફ એક્શનને પ્રોત્સાહિત કરવા, કોલેજ અને યુનિવર્સિટી કેમ્પસને પ્લાસ્ટિક મુક્ત બનાવવા, ઇન્સ્ટિટ્યૂટને ડિજિટલ બનાવીને કાગળનો ઉપયોગ ટાળવા, હોસ્ટેલ અને કાફેટેરિયામાં ખોરાકનો બગાડ ટાળવા માટે કમ્પોસ્ટિંગ જેવી પહેલ કરવા વિનંતી કરું છું. સૂકા પાંદડા અને કચરો ખોરાક અને કાર્બનિક કચરો ખાતર, સાયકલ રેલીનું પણ આયોજન કરો. મંત્રીએ



ગુજરાત કેન્દ્રીય વિશ્વવિદ્યાલય
CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

ગુજરાત કેન્દ્રીય વિશ્વવિદ્યાલય
(ભારત કી સંસદ કે અધિનિયમ સં. 25, 2009 કે તહત સ્થાપિત)

CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

(Established by an Act of Parliament of India, No 25 of 2009)

સ્વાતિ સિંહ

જનસંપર્ક અધિકારી (પ્રભારી)

By Speed Post/By Email/By Hand

કલ્પું કે આજે શરૂ કરાયેલી માર્ગદર્શિકામાં આબોહવા પરિવર્તન, પ્રદૂષણ, કચરો વ્યવસ્થાપન, સ્વચ્છતા, જૈવિક વિવિધતાના સંરક્ષણ જેવા મહત્વના ક્ષેત્રોનો સમાવેશ થાય છે.

શિક્ષણ મંત્રાલયનો કાર્યક્રમ આભારવિધિ સાથે સમાપ્ત થયો. પર્યાવરણ અને ટકાઉ વિકાસ સંસ્થાના ડીન પ્રો. હિરણ્યમયી દ્વારા આભારવિધિ અને નાસ્તાના વિતરણ સાથે કાર્યક્રમની સમાપ્તિ જાહેર કરવામાં આવી હતી. યુનિવર્સિટીના ઇન્ફોર્મેશન એન્ડ કોમ્યુનિકેશન સેલ દ્વારા સમગ્ર કાર્યક્રમનું યુનિ.ના ઓફિશિયલ ફેસબુક પેજ પર જીવંત પ્રસારણ કરવામાં આવ્યું હતું.





गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
(भारत की संसद के अधिनियम सं. 25, 2009 के तहत स्थापित)

CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT
(Established by an Act of Parliament of India, No 25 of 2009)

स्वाति सिंह

जनसंपर्क अधिकारी (प्रभारी)

By Speed Post/By Email/By Hand





गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
(भारत की संसद के अधिनियम सं. 25, 2009 के तहत स्थापित)

CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

(Established by an Act of Parliament of India, No 25 of 2009)

स्वाति सिंह

जनसंपर्क अधिकारी (प्रभारी)

By Speed Post/By Email/By Hand





गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
(भारत की संसद के अधिनियम सं. 25, 2009 के तहत स्थापित)

CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT
(Established by an Act of Parliament of India, No 25 of 2009)

स्वाति सिंह
जनसंपर्क अधिकारी (प्रभारी)

By Speed Post/By Email/By Hand





गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
(भारत की संसद के अधिनियम सं. 25, 2009 के तहत स्थापित)

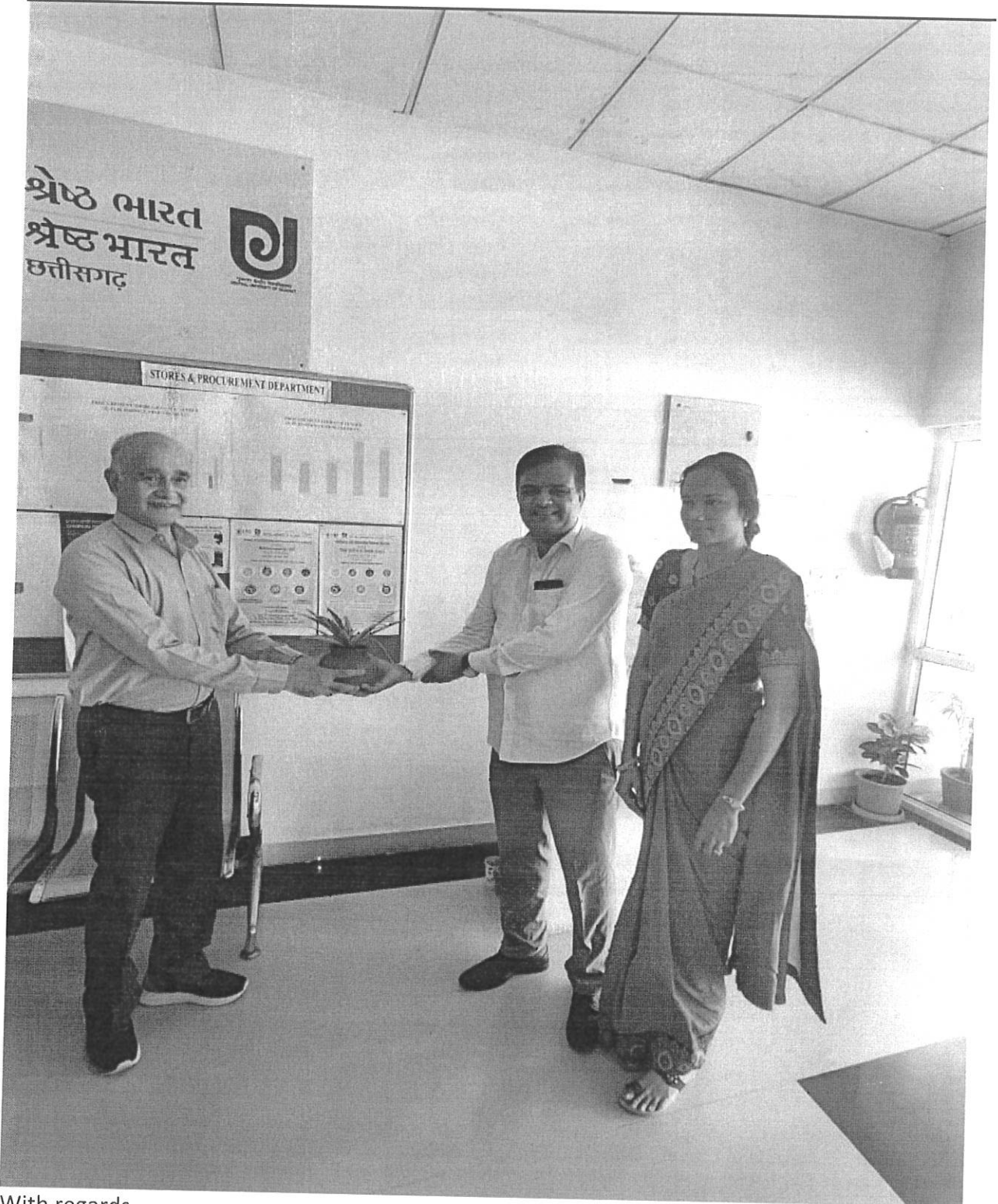
CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

(Established by an Act of Parliament of India, No 25 of 2009)

स्वाति सिंह

जनसंपर्क अधिकारी (प्रभारी)

By Speed Post/By Email/By Hand



With regards,

Yours truly,



गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
(भारत की संसद के अधिनियम सं. 25, 2009 के तहत स्थापित)

CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

(Established by an Act of Parliament of India, No 25 of 2009)

स्वाति सिंह

जनसंपर्क अधिकारी (प्रभारी)

By Speed Post/By Email/By Hand

Swati Singh

PRO (I/C)

Central University of Gujarat,

Sector-29, Gandhinagar,

Gujarat, India-382030

web www.cug.ac.in

Don't print unless its necessary.... Let's save environment.